भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +**3478**

सोमवार, **16** मार्च, **2020/26** फाल्गुन **1941** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में ईको पर्यटन को प्रोत्साहन

+3478. श्री जगदम्बिका पालः

श्री कुनार हेम्ब्रमः

श्री जुएल ओरामः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों में ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल सहित ऐसे राज्यों में किन-किन स्थानों की पहचान की गई है;

(ग) क्या ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल में ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने की काफी अधिक संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों में इको-पर्यटन विकसित करने तथा इसे बढ़ावा देने के लिए अन्य उपायों/उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना आरंभ की है। देश इको पर्यटन के विकास की संभावनाओं को पहचानते हुए पर्यटन मंत्रालय ने "इको परिपथ" को स्वदेश दर्शन योजना के तहत **15** थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है।

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। राज्य सरकारों द्वारा परियोजना

प्रस्ताव प्रस्तुत करना और उन्हें स्वीकृत किया जाना एक सतत प्रक्रिया है। ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल की सरकार से इको पर्यटन के अंतर्गत विकास हेतु कोई प्रस्ताव मंत्रालय को प्राप्त नहीं हुआ है। तथापि मंत्रालय ने **2016-17** में ओडिशा में तटवर्ती परिपथ जिसमें गोपालपुर, बरकुल, सतपदा तथा तंपारा शामिल है के विकास और वर्ष **2015-16** में तटवर्ती/बीच परिपथ जिसमें उदयपुर, दीघा, शंकरपुर, ताजपुर, मंदारमणि, फ्रेजरगंज, बक्खाली, हेनरी आईलैंड शामिल हैं, के विकास को स्वीकृति दी है।

देश में स्वदेश दर्शन योजना की इको परिपथ थीम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं और ओड़िशा तथा पश्चिम बंगाल में तटवर्ती परिपथ थीम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त मंत्रालय ने देश में इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जिनमें अन्य के साथ साथ निम्नलिखित शामिल हैं :-

(i) पर्यटन उद्योग के तीन प्रमुख वर्गों अर्थात आवास, टूर ऑपरेटर, बीच, बैकवॉटर्स, लेक तथा रिवर क्षेत्र के लिए कंप्रिहेंसिव सस्टेनेबल टूरिज्म क्राइटेरिया फॉर इंडिया(एस टी सी आई) तैयार किए गए एवं उन्हें अपनाया गया।

(ii) कार्यान्वयन के चरण में होटल परियोजनाओं के अनुमोदन और विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत प्रचालनरत होटलों के वर्गीकरण/ पुनर्वर्गीकरण संबंधी दिशानिर्देशों में अनेक पर्यावरण अनुकूल उपाय शामिल किए गए हैं जैसे सीवर उपचार संयंत्र की स्थापना, वर्षा जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, प्रदूषण नियंत्रण तथा प्रशीतन एवं वातानुकूलको के लिए नॉन क्लोरोफ्लोरोकार्बन उपकरण की शुरुआत, उर्जा एवं जल संरक्षण उपाय

(iii) घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय अभियानों के माध्यम से और देश में इको पर्यटन के विकास पर केंद्रित संगोष्ठियों, सम्मेलनों और समारोहों को सहायता देकर समय-समय पर इको पर्यटन को बढ़ावा देना।

****

अनुबंध

ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में ईको पर्यटन को प्रोत्साहन के सम्बन्ध में दिनांक 16.03.2020 के लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या +3478 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

देश में स्वदेश दर्शन योजना के इको पर्यटन परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं और ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल में तटवर्ती परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/स्वीकृति वर्ष/परिपथ	परियोजना
1.	उत्तराखंड 2015-16 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : टिहरी झील और आसपास- सिरायन-कोटि - चंबा - नई टिहरी
2.	तेलंगाना 2015-16 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : सोमासिला जलाशय - सिंगोतम जलाशय - अक्का महादेवी गुफाएँ - कदली यानम - श्रीसैलम - फ़राहबाद - मल्लेलातीर्थम - महबूबनगर जिले में उमा माहेश्वरी मंदिर।
3.	केरल 2015-16 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : इड्डुकी और पठानमथिट्टा जिला में अंगमूझी - कोचंदी ज़ोन - अरनमुडी - इकोपारा - कोचम्पम्बा - गवी- वागामोन- थेक्काडी
4.	मिजोरम 2016-17 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : आइज़ॉल-रावपुइछिप - खावपवप - लेंगपुई - डर्टलैंग - चटलांग- सकरावुमटुआइटलैंग - मुथे - बरतलावंग -टिरियल एयरफील्ड - ह्मुइफांग
5.	मध्य प्रदेश 2017-18 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : गांधीसागर बांध- मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी
6.	झारखंड 2018-19 इको परिपथ	इको परिपथ का विकास : दलमा- मकुलाकोचा - पेंड्राबेड़ा - चांडिल- गेतलसुद- बेतला नेशनल पार्क- मिरचैया- कोइल रिवर पॉइंट - नेतरहाट
7.	ओडिशा **2016-17** तटवर्ती परिपथ	तटवर्ती परिपथ का विकास : गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और तंपारा
8.	पश्चिम बंगाल **2015-16** तटवर्ती परिपथ	बीच परिपथ का विकास : उदयपुर- दीघा- शंकरपुर- ताजपुर- मंदारमणि- फ्रेजरगंज- बक्खाली-हेनरी द्वीप

****